## ऋणनिर्देश

डॉ· सरदार मुजावर हिन्दी प्रपाठक, हिन्दी विभाग किसन वीर कॉलेज वाई इनके निर्देशन में प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध पूरा करने का मुझे मौका मिला। अनेक कठिनाइयों को सहते हुए उन्होंने मुझे सही रास्ता दिखाया। आपके सहयोग के बिना यह कार्य संपन्न होने की कल्पना ही नहीं की जा सकती। प्रस्तुत लघुशोध प्रबंध आपके ही सुयोग्य निर्देशन का परिणाम हैं। इसलिए मैं आपके प्रति अपना हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ।

मेरे लघु-शोध-प्रबंध का काम पूरा करने के लिए अनेक लोगोंकी सहायता मुझे लेनी पड़ी हैं। डॉ·पी·एस्· पाटील अध्यक्ष, हिन्दी विभाग शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापूर, इनकी प्रेरणा से मेरा कार्य प्रभावशाली बना उनकी मैं ऋणी हूँ। डॉ·गजानन सुर्वे रीडर एवं अध्यक्ष, लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय, सातारा, प्राचार्य पुरूषोत्तम शेठ लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय सातारा इसके साथ साथ डॉ·निकम सर, छत्रपती शिवाजी महाविद्यालय सातारा और प्रोफेसर मारूफ मुजावर महिला महाविद्यालय उंब्रज आदि ने मेरी सहायता की है। इसलिए उन सबके प्रति मैं आभार प्रकट करना अपना कर्तव्य समझती हूँ। इसके सिवा मेरे पति श्रीमान अर्जुन भोईटेजी का साथ अगर न मिलता तो मैं यह काम पूरा कर नहीं पाती। उनकी सहायता बडी महत्वपूर्ण रही हैं। इसलिए मैं उनकी हृदस से आभारी हूँ। मेरे पिता श्री·जयसिंग पवार, पूज्य माता, भाई, बहन और मेरे देवर, सास अन्य परिवार के सदस्यों की प्रेरणा तथा उनका पर्याप्त सहयोग मिला है। इन सबके सहयोग के बिना प्रबंध पूरा करना असंभव हो जाता। उन सबके प्रति कृतज्ञता ज्ञापन करना कृतघ्नता होगी।

इस लघु-शोध-प्रबंध का अत्यंत तत्परता से टंकन लेखन करनेवाले "रिलॅक्स सायक्लोस्टाइल सातारा" के श्री·मुकुन्द ढवळेजी और उनके सहयोगी श्री·सुशीलकुमार कांबलेजी के प्रति भी मैं आभार प्रकट करती हूँ।

शोध छात्रा

कु· सुचेता जयसिंग पवार